अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : नवम्बर-दिसम्बर 2022

परीक्षा का नाम : विशारद पूर्ण (द्वितीय प्रश्नपत्र)

विषय : तबला / पखावज

दि. 20/11/2022 समय : 3 घंटे (दोपहर 2 से 5) कुल अंक : 75

सूचना : 1) प्रश्न क्र. 3 अनिवार्य है ।
2) अन्य छः प्रश्नों में से चार प्रश्न हल किजिए ।
3) सभी प्रश्न के अंक समान है ।

प्रश्न 1 रिक्त स्थान की पूर्ती करो। (10)

1) एकताल तिस्त्र जाति रचना -------- ताल में चतुरस्त्र जाति में परिवर्तित होगी ।
अ) तीनताल ब) रुद्र क) मत्त

2) 'दींगदीनागिन' इस बोल में 'ग' यह अक्षर -------- उंगलीसे तबलेपर बजेगा ।
अ) अनामिका ब) मध्यमा क) तर्जनी

3) -------- यह बोल रेले में प्रयुक्त होते हैं ।
अ) तीट/धीट ब) धीरधीर/धिडकना
क) क्डधेतीट/धीटधीट

4) -------- यह विस्तारक्षम रचना नही हैं ।
अ) लग्गी ब) लडी क) रौ

5) सूलताल के एक आवर्तन में सवारी पढना यानी -------- लयकारी होगी ।
अ) आड ब) कुआड क) बिआड

6) -------- यह पखावज का घराना नही हैं ।
अ) नाना पानसे ब) पंजाब क) कुदऊसिंह

7) धमार की तिगुन आवर्तन में एक बार बोलकर सम पर आने हेतु -------- इस मात्रा से शुरू होगी ।
अ) $8\frac{1}{3}$ ब) $9\frac{1}{3}$ क) $10\frac{1}{3}$

8) पं. माधवराव अलगुटकर प्रख्यात -------- थे।
अ) तबलिये ब) पखावजी क) नर्तक

9) गत अंग से बजाये जाने वाले रेले को -------- कहते है।
अ) रेला गत ब) रौ क) गतांग रेला

10) -------- ताल में बेदम तिहाई नहीं हो सकती।
अ) 14 मात्रा ब) 9 मात्रा क) 16 मात्रा

ब) **योग्य जोडीया लगायें।** **(5)**

वादन विशेषता	**रचनाकार**
1) लय के तीन दर्जे	सा) पेशकार
2) 1, 5 व 9 वे 'धा' पर सम	रे) तिधारी
3) व्यंजनप्रधान बोल	ग) रेला
4) स्वतंत्र वादन विचार	म) त्रिपल्ली
5) समान बोलों की 3 जोडीयाँ	प) फरमाईशी चक्रदार

प्रश्न 2 **तबला/पखावज के सभी घरानों के नाम लिखकर कोई दो घराने के बारे में विस्तृतता से लिखे और उन घरानों के वर्तमान में प्रतिनिधित्व कर रहे दो विद्वान कलाकारो के नाम भी लिखिए।** **(15)**

प्रश्न 3 **लिपीबध्द किजिए। (कोई 3)** **(5X3=15)**

1) झुमरा ताल की तिगुन (पं. पलुस्कर तालिपी में)।
2) झपताल/सूलताल में एक फरमाईशी गततुकडा।
3) 16 मात्रा की ताल में एक बेदम तथा देड के दम की एक तिहाई।
4) किसी भी ताल में एक चक्रदार गत।
5) 'दिगंनग' शब्द समूह युक्त रेला, दो पलटे और तिहाई के साथ (किसी भी ताल में)।

प्रश्न 4 **तबला / पखावज वाद्य का भारतीय संगीत में स्थान, महत्व एवं उपयोगिता के बारे में विस्तृत विवेचन करें।** **(15)**

प्रश्न 5 निम्नलिखित भेद का सोदाहरण स्पष्टीकरण करें। (5X3=15)
(कोई 3)

1) गत – गत परन
2) आडाचारताल – धमार
3) फरमाईशी गत – चक्रदार गत
4) कायदे का प्रस्तार – रेलें का प्रस्तार

प्र. 6 निम्नलिखित वादकों का जीवन परिचय तथा सांगीतिक योगदान लिखकर उन वादक कलाकारों के दो–दो शिष्यगणों के नाम लिखिए। (कोई 2) (15)

1) उ. आबीद हुसेन खाँ
2) उ. नत्थु खाँ
3) उ. चुडिया ईमाम बक्श
4) पं. अयोध्या प्रसाद
5) पं. पर्वतसिंह
6) पं. गोविंदराव बन्हाणकर

प्र. 7 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लेखन करें। (15)

1) तबला / पखावज वादन में पढंत का स्थान, महत्व तथा आवश्यकता
2) सौंदर्यपूर्ण एकल तबला /पखावज वादन प्रस्तुति के प्रमुख तत्व